

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**0 407]

नई विल्ली, बृहस्पतिबार, सितम्बर 22, 1977/भाष 31, 1899

No. 407]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 22, 1977/BHADRA 31, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## (Department of Industrial Development)

### ORDER

New Delhi, the 22nd September 1977

- S.O. 679(E)/18FB/IDRA/77.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. SO. 545(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that:—
- (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertaking known as Messrs Sen Raleigh Limited, Calcutta; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it immediately before the date of publication of that Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No S.O 633(E)/18FB/IDRA/76, dated the 24th September, 1976, the duration of the said Order was extended upto the 26th September, 1977;

And whereas the Central Government 1s satisfied that the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 26th September, 1978.

[No. F. 2/21/75-CUC] G. N. MEHRA, Jt. Secy

# उद्योग मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 22 सितम्बर 1977

का० ग्रा० 679(ग्र)/18 च ख/उ० वि० वि० ग्र०/77.—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग ग्रीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (ग्रीद्योगिक विकास विभाग) के ग्रादेश स० का० ग्रा० 545(ग्र)/18-एफ बी०/ग्राई०डी०ग्रार०ए०/75, तारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमे ग्रागे उक्त ग्रादेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) ग्रिधिनयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए घोषणा की थी कि —

- (क) उक्त अधिनियम की तृतीय अनुसूची मे विनिर्दिष्ट अधिनियमितिया मैसर्स सेन रेले लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से, ज्ञात श्रीद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होगो ।
- (ख) सभी सिवदाश्रो, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्नों, करारो, व्यवस्थापनों, पंचाटो, स्थायी आदेशो या ग्रन्य लिखतों का, जो प्रवृत्त हैं, प्रवर्तन, जिसमे उक्त उपक्रम एक पक्षकार हैं, या जो उस श्रादेश के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्व लागू हो श्रीर उक्त तारीख से पूर्व उसके श्रधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी श्रधिकारी, विशेषाधिकारी बाध्यताएं श्रीर दायित्व 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेंगे।

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मत्नालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेण स० का० श्रा०  $633(\mathbf{श})/18$ च ख/उ०ित्र०वि०ग्र०/76 तारीख 24 सितम्बर, 1976 द्वारा उक्त श्रादेश की श्रवधि 26 सितम्बर, 1977 तक के लिए बढा दी गई है,

ग्रौर केन्द्रीय सरकार को समाधान हो गया है कि निलम्बन ग्रादेश की श्रवधि एक वर्ष के लिए ग्रौर बढ़ा दी जानी चाहिए;

भ्रतः, अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रावेश की भ्रविध 26 सितम्बर 1978 तक जिसमे यह तारीख भी सिम्मिलित है, के लिए श्रीर बढ़ाती है।

[स $\circ$ ुफा० 2 21/75-सी $\circ$ यू $\circ$ सी $\circ$ ] जी $\circ$  एन $\circ$  मेहरा, संयुक्त सिचव ।